



युवाओं के सपने हो रहे साकार सारथी बन रही झारखण्ड सरकार

मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत बिद्या योजना

(Block Level Institute for Rural Skill Acquisition)
एवं रोजगार प्रोत्साहन भत्ता/परिवहन भत्ता वितरण का
शुभारंभ

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष अतिथि

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती
दाज एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोजा

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण
एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

गणितीय उपस्थिति

डॉ नमहुआ नाजी

माननीय सांसद, राज्यसभा

श्री संजय सेठ

माननीय सांसद, लोकसभा, रांची

श्री सी. पी. सिंह

माननीय विधायक, रांची

दिनांक : 22 जुलाई, 2023 | समय: अपराह्न 1 बजे

स्थान : आर्यभट्ट सभागार, रांची विश्वविद्यालय

योजना हेतु पात्रता (आयु)-

- सामान्य वर्ग: 18-35 वर्ष
- एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग: 18-50 वर्ष तक

बिद्या केंद्र-

- प्रथम चरण में 80 प्रवर्षों में केंद्र की शुल्कात
- प्रवर्ष स्तर पर निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था

रोजगार प्रोत्साहन भत्ता-

- युवकों को ₹1,000 प्रतिमाह
- युवतियों/दिव्यांग/पदलैंगिक को ₹1,500 प्रतिमाह
(प्रशिक्षण के बाद सफल प्रशिक्षणार्थियों को तीन माह के अंदर नियोजन नहीं होने की
स्थिति में भत्ता अधिकतम एक वर्ष के लिए DBT के जरिए)

परिवहन भत्ता-

- ₹1,000 प्रतिमाह
(गैर-आवासीय प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को उनके घर से प्रशिक्षण केंद्र आने-जाने के लिये
भत्ता DBT के जरिए)

टोल फ्री नम्बर: 1800-123-3444

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

उपन्यास शरशय्या का भीष्म पितामह' पर आधारित महाकाव्य का हुआ लोकार्पण

उपन्यासकार ने जिस तर्कशक्ति कलात्मकता का उपयोग किया है वह अप्रतिम है : केदार

नवीन मेल संवाददाता। रांची महाभारत अनेक कथाओं और उपकथाओं का महाकाव्य है, जिनसे आज भी लोग संख्या लेते हैं। महाभारत की कथा पर आधारित थेसरचंड मिश्र 'शिवांशु' का मैथिली उपन्यास शरशय्या पर पितामह इस महाकाव्य के एक प्रमुख नायक भीष्म पितामह पर कोद्रित है। लेकिन उपन्यासकार ने उन घटनाओं एवं उपकथाओं का तत्वान्वेषण किया है, जो आधारण लोगों को नहीं खुश लेते हैं। वे बातें शुक्रवार को गंधी के हाथू में विद्यापति दलान पर लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रधानपाल डॉ नंदेंद्र कुमार ज्ञा ने कहीं। मैथिली साहित्यकार कृष्णमोहन ज्ञा मोहन ने कहा कि महाभारत की कथाओं पर



दुनिया भर की भाषाओं में अनेक पुस्तकें लिखी गई हैं, शिवांशु के इस उपन्यास को जीवंत बना दिया है और जिस कुशलता की अगली कड़ी मान जा सकता है। लेकिन कथा पात्रों का चित्र पाठकों के समक्ष खड़ा किया है, वह बिल्कुल सटीक और रोचक बन पड़ा है। वह उनके बारीक चित्रण और शोधपूर्ण हृषि का परिणाम है कि इस उपन्यास में संक्षिप्त में महाभारत की कथा को बारीक हुंग कहने की जो विशेष शैली है, उसने इस उपन्यास को उत्तमता दी रखा है और जिस कुशलता से उद्देश्य उपन्यासकार ने जिस तर्कशक्ति और कलात्मकता का इसमें उपयोग किया है, वह उनके बारीक चित्रण और शोधपूर्ण हृषि का परिणाम है कि इस उपन्यास का संक्षिप्त

से समेटा जा सकता है, लेकिन कहीं से भी नहीं लगता है कि कोई महत्वपूर्ण प्रसंग छूट गया है। रांची दूदर्दान ने पूर्व निदेशक प्रमोट कुमार ज्ञा ने कहा कि इस उपन्यास की सबसे खास बात यह है कि भीष्म जैसे विरल चरित्र को चित्रित करने में उपन्यासकार ने उच्चतर मानवीय मूल्य को सुस्थिति करने का लक्ष्य रखा है, और उसे सफलतापूर्वक निभाया भी है। बेशक यह उपन्यास ऐतिहासिक उपन्यास पर आधारित है, वह समकालीन जीवन मूल्यों और प्रसंगों में भी मुख्यभूत करता है। लोकार्पण समारोह में कथा लेखिका सुस्पिता पाठक, अमरनाथ ज्ञा, कृष्ण कुमार ज्ञा एवं झारखंड मैथिली मंच के महासंचाच वैद्यनाथ ज्ञा सहित अनेक गणमान्य साहित्यकारों का उपस्थित है। भारती मंडन परिषका के संपादक कंदार कानान ने कहा कि शिवांशु जी के पास कहानी

</

